गायत्रीतीर्थ
शान्तिकुञ्ज

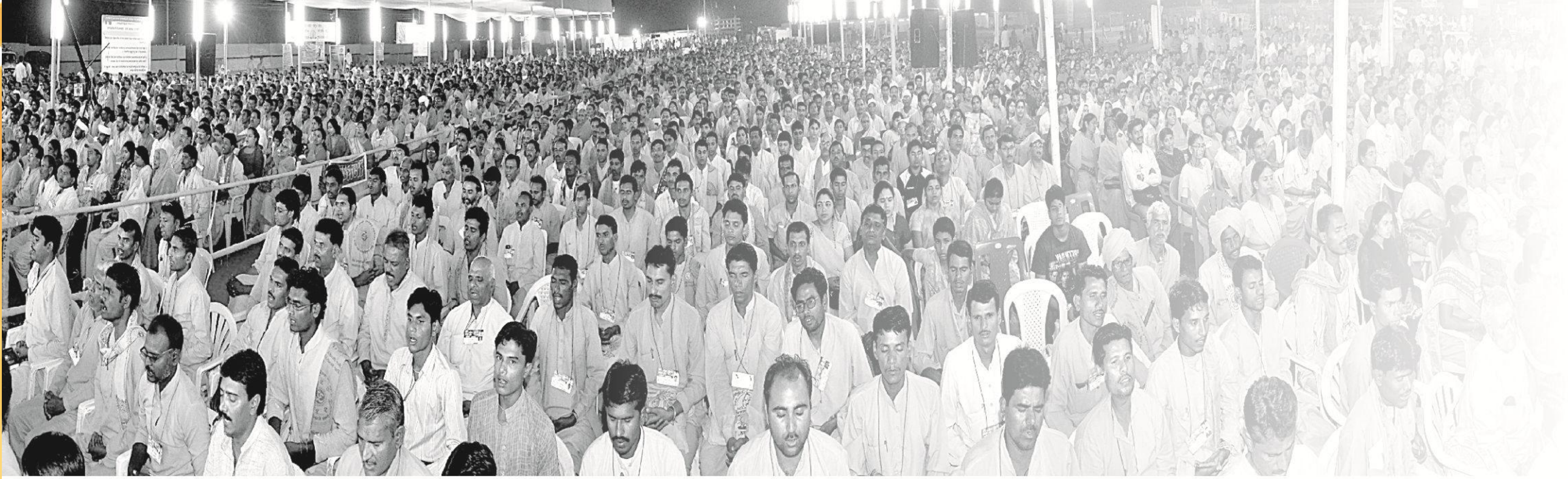

युवा जागृति अभियान

- राष्ट्र के कर्णधारों के नैतिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक जागरण का रचनात्मक अभियान

आखिर युवा कौन ?

- असंभव शब्द जिसके शब्दकोश में नहीं।
- जो बाधाओं को चीर कर अपना मार्ग बनाता है।
- जो परिस्थितियों का दास नहीं, निर्माता, नियंत्रणकर्ता एवं स्वामी है।
- जो भाग्य पर नहीं अपने कर्म पर विश्वास रखता है।
- जो उमंग उत्साह, जोश से जीता व सुनहरे भविष्य के सपने देखता है।

गायत्रीतीर्थ
शान्तिकुञ्ज

ज्ञान का अधिकाधिक संग्रह करो ताकि बौद्धिक दृष्टि से सुसम्पन्न बन सको, संयम बरतो ताकि शरीर और मन की बलिष्ठता बने। उदारता का समावेश अपने स्वभाव में बढ़ाओ ताकि मित्रों और सहयोगियों की संख्या बढ़े । अपनी आन्तरिक महानता को खोजो और बढ़ाओ ताकि मनुष्य जीवन का समुचित लाभ प्राप्त कर सको ।

-पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

युवा जागरण बनाम राष्ट्र जागरण

- आज हम सांस्कृतिक संक्रमण के ऐतिहासिक दौर गुजर रहे हैं।
- भौतिकवाद अपनी चरम सीमा पर है।
- देश की तरुणाई को दिशाहीनता, दुश्चिंतन, भटकाव, दुष्प्रवृत्तियाँ एवं सृजनात्मकता का अभाव घुन की तरह खोखला करते जा रहे हैं।
- उस पर नशा, बेरोजगारी, पाश्चात्य जीवन शैली।
- तरूणाई को आत्मबोध एवं अपने सांस्कृतिक गौरव से परिचित कराना समय की माँग है।

विश्व में जितने भी जीवन्त इतिहास हैं, वे सब तरुणाई की ही रचना है।

- “**एकोहम बहुस्यामि**” के तरूण ब्रह्म स्फुरण ने सृष्टि का सृजन किया।
- संस्कृति की दुर्दशा से मर्माहत श्रीराम का तारुण्य "**निसिचर हीन करउं महि**” का प्रण कर बैठा।
- गीताकार ने पार्थ के तारुण्य को झकझोरा तो महाभारत की विजयश्री वरेण्य हो गई

विश्व में जितने भी जीवन्त इतिहास हैं, वे सब तरुणाई की ही रचना है।

- मानवीयता से पूरित सिद्धार्थ का तारुण्य बुद्ध बन गया।
- जब तारुण्य तपा तो आत्मजयी महावीर बन गया ।
- दयानंद, विवेकानन्द, रामतीर्थ की तरुणाई देव संस्कृति का उद्घोषक बन बैठी
- शहीदों की तरुणाई से भारत माता की परतंत्रता की जंजीर चटक गई।

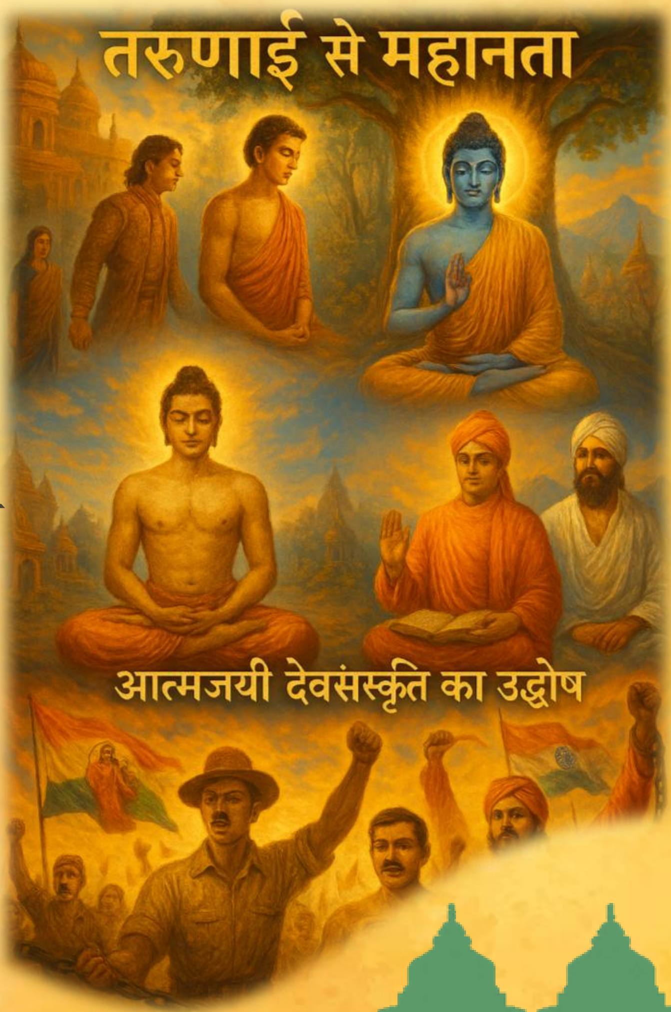

उततिष्ठत जागृत

- आज विश्व की विभीषिकाओं का समाधान तरुणाई को निहार रहा है।
- वस्तुतः अब देश का भविष्य युवाओं के हाथ में ही है।
- युवक - जिधर चल पडेंगे, देश भी उधर ही चल पड़ेगा।
- युवकों का संगठन और उनकी गतिविधियों का सही नियोजन आज की प्रथम आवश्यकता है।
- युवा शक्ति ही राष्ट्रशक्ति बन कर राष्ट्र को समृद्धि उन्नति एवं प्रगति के मार्ग पर ले जा सकती है।

शान्तिकुञ्ज का युवा आंदोलन

- युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य एवं वन्दनीया माता भगवती देवी शर्मा जी की युग वेदना ने आज की तरुणाई के लिए नवयुग के निर्माण की आधारशिला रख दी है।
- शांतिकुंज ने युवाशक्ति को राष्ट्र शक्ति के रूप में निखारने की प्रक्रिया का एक राष्ट्रव्यापी आन्दोलन और अभियान प्रारंभ किया है।
- जिससे राष्ट्र श्रेष्ठता, संप्रभुता और संपन्नता के श्रेष्ठ शिखर पर पुनः प्रतिष्ठित हो सके।

युवा आंदोलन के चार सूत्र

स्वस्थ युवा
सशक्त राष्ट्र

शालीन युवा
श्रेष्ठ राष्ट्र

स्वावलंबी युवा
संपन्न राष्ट्र

सेवाभावी युवा
सुखी राष्ट्र

युवा आंदोलन के चार सूत्र

1. **स्वस्थ युवा - सशक्त राष्ट्र**
   - शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के प्रति युवाओं को जागरूक एवं प्रयत्नशील बनाना।
   - युवकों में योग, आत्म प्रबंधन द्वारा उत्कृष्ट जीवन शैली का विकास।
   - युवा शक्ति को व्यसन से बचाकर सृजन में लगाना।

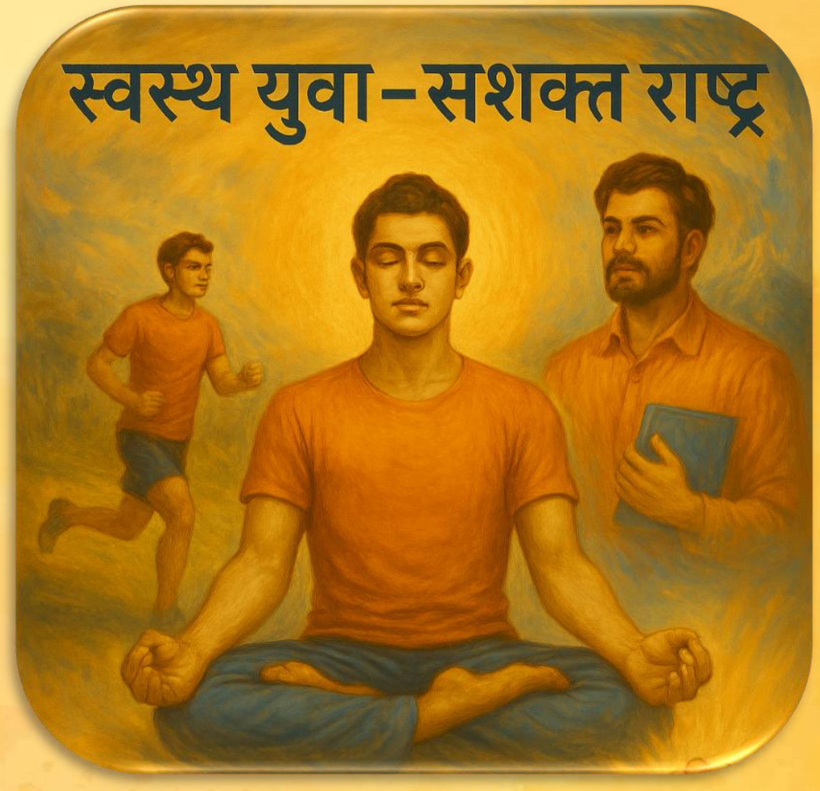

युवा आंदोलन के चार सूत्र

2. शालीन युवा-श्रेष्ठ राष्ट्र

- युवाओं को भोगवादी अपसंस्कृति के दुष्प्रभावों से बचाकर अपनी गौरवमयी सांस्कृति विरासत से परिचित कराना।
- विनम्रता, सहकारिता, श्रमशीलता एवं अनुशासन जैसे सद्गुणों के विकास द्वारा सभ्य, सुसंस्कृत एवं शालीन युवा तैयार करना।

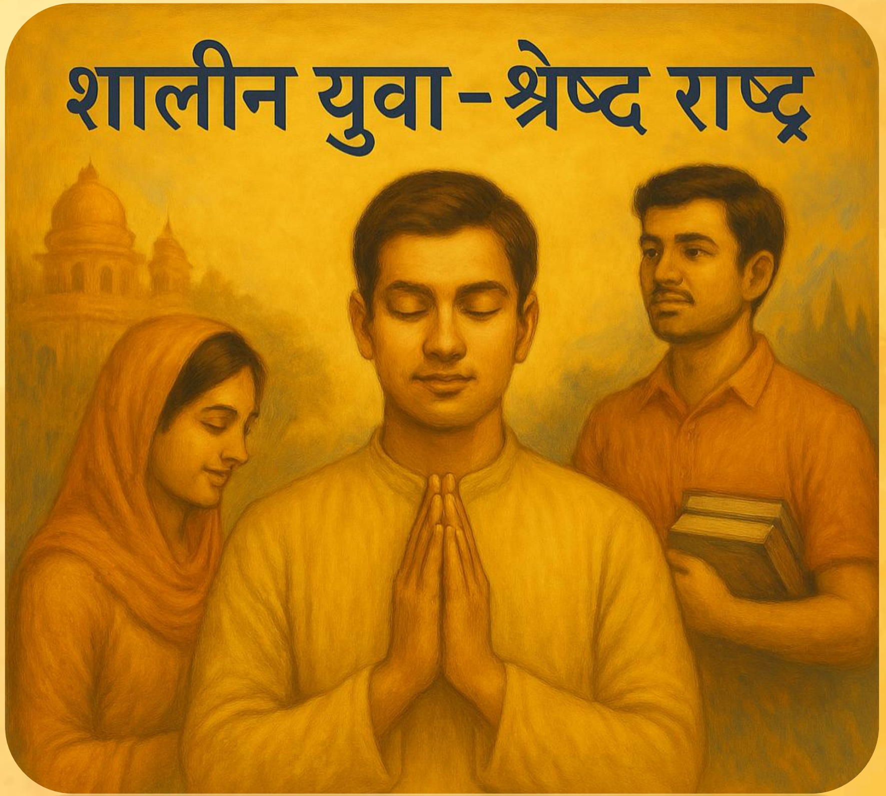

युवा आंदोलन के चार सूत्र

3. स्वावलंबी युवा-संपन्न राष्ट्र

- स्वावलंबन से स्वाभिमान का जागरण।
- बेकारी एवं बेरोजगारी से मुक्ति।
- समग्र स्वावलंबन, (सांस्कृतिक और आर्थिक) के माध्यम से आत्मनिर्भरता।
- श्रम के प्रति सम्मान का जागरण

युवा आंदोलन के चार सूत्र

4. सेवाभावी युवा-सुखी राष्ट्र

- युवाओं में संवेदना, सेवाभाव, और ततसंबंधी कौशल का विकास करना।

- युवाओं के श्रम, समय, साधन एवं प्रतिभा का रचनात्मक कार्यों में नियोजन ।

हमारी युवा गतिविधियाँ

1. युवाओं को संगठित करना
2. (ग्राम, विकासखंड, जिलास्तरीय संगठन)
3. स्कूल कॉलेजों में युवा गोष्ठी का आयोजन एवं DIYA आंदोलन का विस्तार
4. व्यक्तित्व विकास व स्वावलंबन के शिविर
5. आपदा प्रबंध वाहिनी का गठन
6. व्यसन मुक्ति कार्यक्रम

गायत्रीतीर्थ शान्तिकुञ्ज

राष्ट्र के नवनिर्माण हेतु हमारे पाँच महाभियान

भागीरथी जलाभिषेक अभियान

जल स्रोत शुद्धि एवं संरक्षण हेतु सामूहिक पुरुषार्थ

वृक्ष गंगा अभियान

श्रीराम स्मृति उपवनों की स्थापना, स्वच्छ पर्यावरण हेतु प्रयास जिससे स्वस्थ जीवन प्राप्त हो सके

बाल संस्कार शाला अभियान

संस्कारवान, चरित्रवान, राष्ट्रभक्त, आदर्श पीढी का निर्माण

ग्रामतीर्थ योजना

गाँव की गोद में स्वच्छ, स्वस्थ, स्वावलम्बी, शिक्षित, व्यसनमुक्त एवं सुसंस्कारी ग्राम निर्माण

युवा चेतना जाग्रति

स्वस्थ, शालीन, स्वावलम्बी, सेवाभावी, सुसंस्कारी युवाओं का चयन, प्रशिक्षण एवं रचनात्मक कार्यों में नियोजन एवं DIYA कार्यशालाओं का आयोजन

युवा आदर्श

युवा भारत के भविष्य हैं। युवाओं के कार्यों पर भारत का भविष्य निर्भर है। भारत को महान बनाने के लिए, उसका उज्जवल भविष्य करने के लिए सर्वोपरि आवश्यकता है, बिखरी युवा शक्ति को पुनः संगठित करने की, उनकी शक्ति-संग्रह और बिखरी इच्छा शक्ति को एकत्र कर उसमें समन्वय लाने की।

काल चक्र घूमकर आ रहा है। एक बार फिर भारत की युवा शक्ति जागेगी और शीघ्र ही समस्त जगत को प्लावित कर देगी। विश्वास रखो, विश्वास रखो, प्रभु की आज्ञा है कि यह शक्ति उन्नति अवश्य करेगी।

-स्वामी विवेकानंद

युवा आदर्श

यदि भारत को अपना अस्तित्व बनाये रखना है तो उसे फिर से युवा बनना होगा। ऊर्जा के धारा प्रवाह तरंगायित स्रोत उसमे उडेलने होंगे, उसकी आत्मा को फिर से वैसी ही बनना होगा जैसी वह पुरातनकाल में थी, लहरों जैसी विशाल, शक्तिशाली, इच्छानुसार शांत अथवा विक्षुब्ध, कर्म अथवा बल का एक महासागर।

- महर्षि अरविंद (भारत का पुनर्जन्म)

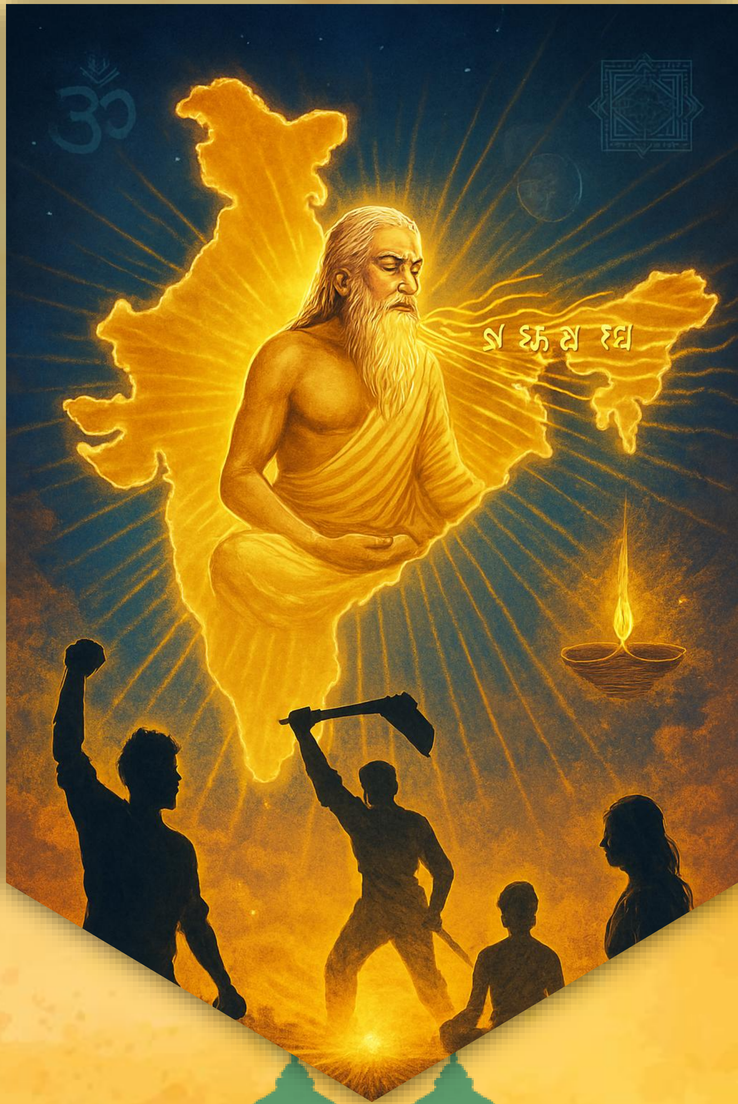

गायत्रीतीर्थ शान्तिकुञ्ज

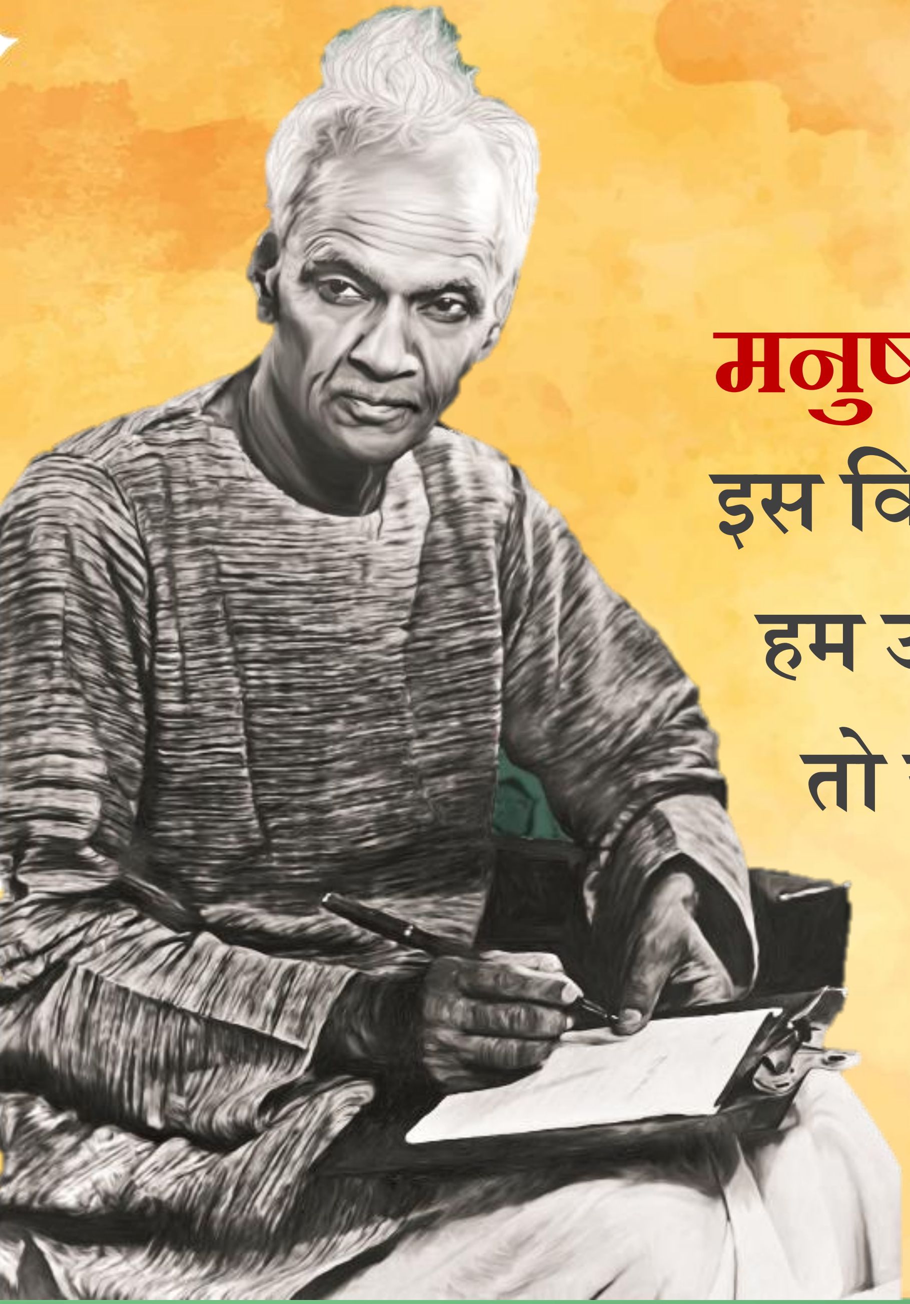

मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता आप है,
इस विश्वास के आधार पर हमारी मान्यता है कि
हम उत्कृष्ट बनेंगे और दूसरों को श्रेष्ठ बनायेंगे,
तो युग अवश्य बदलेगा।

-युग निर्माण सत्संकल्प 17

युवाओं! अब हमारी बारी

उठो ! उठो ! कोई अन्दर से पुकार रहा है। सृजन की वीणा का राग
सुनो ! सुनो! समय प्रभाती गा रहा है ।
चलो ! चलो! मनुष्यता पुकार रही है।
बढ़ो! बढ़ो! भारत माता अपनी विशाल बाँहें फैलाये तुम्हारी प्रतीक्षा कर रही है।
देखो! देखो! सविता की प्रखर स्वर्णिम रश्मियाँ तुममें ऊर्जा भरने तुम्हारी ओर दौड़ी चली आ रही हैं। सुनो यह प्रथम और अंतिम अवसर है, जब ईश्वर तुम्हें अपने एक अंश का अवतरण करने का आश्वासन दे रहा है। झिझको मत, चूको मत। अब प्रतीक्षा मत करो, कोई बहाना मत ढूँढ़ो। जुट पड़ो, कार्य में संलग्न होजाओ और स्वयं को बदल कर दुनिया को नई बनाने का अवसर प्रदान करो।समय को इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठ लिखने का अवसर दो ।

गायत्रीतीर्थ शान्तिकुञ्ज

राष्ट्रीय कार्यालय - शान्तिकुञ्ज-हरिद्वार 249411

Phone: 9258360652, 9258360692

Email: youthcell@awgp.org

Web: www.awgp.org, diya.net.in